# डॉ॰भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा

(पूर्ववर्तीः आगरा विश्वविद्यालय, आगरा)

पत्रांकः R/619/.....2017

दिनांकः 21-8-.....2017

## अधिसूचना

| संशोधित निर्णय | संशोधित निर्णय का स्पष्टीकरण |
|---|---|
| अधिसूचना संख्याःआर/496/2017 दिनांकः 25.07.2017 जो विद्या परिषद की बैठक दिनांकः 22.06.2017 की संस्तुति के परिपेक्ष में कार्य परिषद की बैठक दिनांकः 28.06.2017 के कार्य सूची संख्या 21 द्वारा परींक्षा अध्यादेश में निम्नवृत संशोधन को दिनांकः 1.07.2017 से प्रभावी किये जाने का निर्णय लिया गया है।<br>कार्य परिषद द्वारा विद्या परिषद की बैठक दिनांकः 22.06.2017 के कार्य सूची संख्या 02 के अर्न्तगत निम्न संशोधनों के साथ अनुमोदन प्रदान किया गया है।<br>1. अंग्रेजी भाषा, हिन्दी भाषा, संस्कृत भाषा, को वैकल्पिक विषय के रूप में लागू किया जायेगा।<br>2. स्नातक स्तर पर राष्ट्र गौरव, पर्यावरण अध्ययन एवं शारीरिक शिक्षा के स्थान पर प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष में राष्ट्र गौरव एवं पर्यावरण के नाम से एक प्रश्नपत्र में सम्मिलित होना अनिवार्य होगा। यदि छात्र प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में उत्तीर्ण नहीं हो पाते हैं, ऐसे छात्रों को तृतीय वर्ष में इस प्रश्नपत्र में परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति प्रदान की जायेगी।<br>3. शारीरिक शिक्षा को एक वैकल्पिक विषय के रूप में लागू किया जाय (बी0कॉम0 को छोडकर)।<br>4. वाणिज्य संकाय को छोडकर स्नातक प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष में छात्र तीन विषयों को अध्ययन करेगा तथा तृतीय वर्ष में केवल दो विषयों में ही अध्ययन करेगा।<br>कार्य परिषद द्वारा पूर्व (पुराने) सम्बन्धित अध्यादेश को 01.07.2017 से निष्प्रभावी भी मानने/करने की सहमति प्रदान की गयी। | 1.सत्र 2017–18 स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेशित छात्र तीन ऐच्छिक विषय ही पढ़ेगा। एक अनिवार्य विषय के रूप में राष्ट्र गौरव एवं पर्यावरण विषय का ही चयन करेगा।<br>2. कोई भी छात्र सत्र 2017–18 स्नातक प्रथम वर्ष में तीन भाषा तीन साहित्यिक विषय एंव तीन प्रयोगिक विषय नहीं ले सकता है साथ ही कोई भी छात्र अंग्रेजी भाषा के साथ अंग्रेजी साहित्य, हिन्दी भाषा के साथ हिन्दी साहित्य एवं संस्कृत भाषा के साथ संस्कृत साहित्य एक साथ नहीं ले सकता।<br>3. (अ) सत्र 2017–18 में प्रवेशित छात्र स्नातक कला/विज्ञान संकाय द्वितीय वर्ष में तीन ऐच्छिक विषयों में ही अध्ययन करेगा।<br>(ब) छात्र स्नातक प्रथम वर्ष में राष्ट्र गौरव एवं पर्यावरण विषय के प्रश्नपत्र में अनुत्तीर्ण होता है तो वह स्नातक प्रथम वर्ष के पुनः परीक्षा में सम्मिलित होगा यदि वह पुनः परीक्षा में भी अनुत्तीण हो जाता है तो वह स्नातक द्वितीय वर्ष की मुख्य परीक्षा के साथ राष्ट्र गौरव एवं पर्यावरण के प्रश्नपत्र में सम्मिलित होगा।<br>4. सत्र 2017–18 में प्रवेशित छात्र स्नातक कला/विज्ञान संकाय तृतीय वर्ष में दो एच्छिक विषय के रूप में रहेगा।<br>5. स्नातक प्रथम वर्ष बी0ए0/बी0एससी0 में शारीरिक शिक्षा अब अनिवार्य विषय के रूप में न हो कर ऐच्छिक विषय के रूप में लिया जा सकेगा।<br>6. सत्र 2017–18 में (वाणिज्य संकाय) में प्रथम वर्ष द्वितीय वर्ष एवं तृतीय वर्ष में तीनों ग्रुप में ही अध्ययन करेगा।<br>7. स्नातक प्रथम वर्ष द्वितीय वर्ष एवं तृतीय वर्ष सत्र 2016–17 में प्रवेशित छात्र जिनकी परीक्षा हो चुकी है, तथा वे अनुत्तीर्ण है उन्हें भूतपूर्व परीक्षार्थी के रूप में गत वर्ष की भॉति ही विषय लेने होगें।<br>8. सत्र 2017–18 स्नातकोत्तर कला/विज्ञान एवं वाणिज्य संकायों में द्वितीय वर्ष गत वर्ष की भॉति ही रहेंगा।<br>9. सत्र 2017–18 स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष वाणिज्य संकाय में नये नियम के अनुसार ग्रुप के प्रश्नपत्रों का चयन करेगा।<br>(नये नियम संलग्न है) |

(कैलाश नाथ सिंह)
परीक्षा नियंत्रक